

जैसे- 'श्री' 7. बाईस मात्राओं का एक छंद जिसमें बारह और दस पर विराम होता है और अंत में दो गुरु होते हैं।

कुंडलाकार वि. (तत्.) 1. वर्तुलाकार, गोल 2. मंडलाकार।

कुंडलिका स्त्री. (तत्.) 1. मंडलाकार रेखा 2. जलेबी नाम की एक मिठाई 3. कुंडलिया छंद।

कुंडलित वि. (तत्.) 1. जो कुंडली मारे हुए हो, कई बलों में घूमा हुआ 2. कुंडल नामक आभूषण से युक्त।

कुंडलिनी स्त्री. (तत्.) 1. तंत्र और उसके अनुयायी हठयोग के अनुसार एक कल्पित शक्ति का, जो कुंडल के आकार में मूलाधार में सुषुम्ना नाडी के नीचे मानी गई है पर्या. कुटिलांगी, भुजंगी, ईश्वरी शक्ति, कुंडली 2. जलेबी नाम की मिठाई इमरती 3. गुडुची, गिलोय।

कुंडलिया स्त्री. (तत्.) एक मात्रिक छंद जो एक दोहे और रोले के योग से बनता है।

कुंडली पुं. (तत्.) 1. साँप 2. वरुण 3. मयूर, मोर 4. चित्तल हरिण 5. विष्णु 6. शिव।

कुंडली स्त्री. (तत्.) 1. जलेबी 2. कुंडलिनी 3. गुडुची, गिलोय 4. कचनार 5. केवाँच 6. जन्मकाल के ग्रहों को बतलानेवाला एक चक्र जिसमें बारह घर होते हैं 7. गेंडुरी, इंडुवा 8. साँप के बैठने की मुद्रा 9. खँझरी, डफली।

कुंडलीकरण पुं. (तत्.) किसी चीज़ को खींच कर इतना मोड़ना कि वह कुंडल के आकार का हो जाए।

कुंडलीकृत वि. (तत्.) कुंडली के समान गोल आकृति का बनाया हुआ।

कुंडा पुं. (तत्.) मिट्टी का बना हुआ चौड़े मुँह का एक गहरा बरतन, जिसमें पानी अनाज आदि रखा जाता है, बड़ा मटका, कछरा।

कुंडा पुं. (तद्.) 1. दरवाजे की चौखट में लगा हुआ कोढ़ा जिसमें साँकल फँसाई जाती है और ताला लगाया जाता है 2. कुश्ती का एक पैंच।

कुंडिका स्त्री. (तत्.) 1. कमंडल 2. कूंडी, अथरी, पथरी 3. ताँबे का कुंड, जिसमें हवन किया जाता है।

कुंडी स्त्री. (तद्.) पत्थर या मिट्टी का कटोरा जिसमें लोग दही, चटनी आदि रखते हैं, पत्थर की कुंडी में भाँग भी घोटी जाती है 1. जंजीर की कूंडी 2. किवाड़ में लगी साँकल जो दरवाजे को बंद करने के लिए कुंडी में फँसाई जाती है।

कुंत पुं. (तत्.) 1. भाला, बरछी 2. जूँ 3. चंड 4. गवेधुक (पक्षी), कोडिल्ला, केसई भाव, क्रूर भाव 5. जल 6. कुश 7. अग्नि 8. आकाश 9. काल 10. कमल 11. खड्ग।

कुंतक पुं. (तत्.) संस्कृत साहित्य में वक्रोक्तिजीवित के रचयिता और वक्रोक्ति संप्रदाय के प्रवर्तक आचार्य।

कुंतल वि. (तत्.) 1. सिर के बाल, केश 2. प्याला, चुक्कड़ 3. जौ 4. सुगंधवाला 5. हल 6. संगीत में एक प्रकार का ध्रुपद 7. एक देश का नाम जो कोंकण और बरार के बीच में था 8. सूत्रधार 9. वेश बदलने वाला पुरुष 10. राम की सेना का एक बंदर।

कुंती स्त्री. (तत्.) युधिष्ठिर, अर्जुन भीम और कर्ण की माता, पृथा, पांडु की पत्नी **स्त्री.** (तद्.) 1. बरछी, भाला 2. कंजे की जाति का एक पेड़ जो प्रायः मध्य बंगाल, म्यांमार आसाम आदि स्थानों में होता है, इसके बीज से तेल निकाला जाता है।

कुंद पुं. (तत्.) 1. जूही की तरह का एक पौधा, जिसमें सुगंधित व सफेद फूल लगते हैं और वह कुछ रेचक, पाचक तथा रुधिर विकार में लाभकर होता है 2. कनेर का पेड़ 3. कमल 4. कंदर नाम का गोंद 5. एक पर्वत का नाम 6. कुबेर की नौ निधियों में से एक 7. नौ की संख्या 8. विष्णु 9. खराद **वि.** (फा.) 1. कुंठित, गुठला 2. स्तब्ध, मंद बुद्धि।

कुंदकर पुं. (तत्.) खराद का काम करने वाला व्यक्ति।